हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
मेट्रो सिटी
नागपुर, सोमवार, 17 मार्च 2025

किन लोगों को रोज़ा छोड़ कर बाद में रखने की इजाज़त है

हज़रत अनस रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायात है कि रसूले अकरम सल्लल्लाहू अ़लैहि वसल्लम ने इरशाद फ़रमाया कि अल्लाह तआला ने मुसाफ़िर के लिए नमाज़ का एक हिस्सा माफ़ फरमा दिया है और रमज़ान के रोज़े न रखने की भी मुसाफ़िर को इजाज़त दी है और इसी तरह दूध पिलाने वाली औरत और हमल वाली औरत को इजाज़त है कि रोज़ा न रखे (और बाद में क़ज़ा कर ले), (मिशकात शरीफ़ -1/178) मरीज़ का हुक्म -रमज़ान का एक रोज़ा छोड़ देना भी बहुत बड़ा गुनाह है और जो फ़र्ज़ रोज़ा छोड़ने का मुरतकिब हो वो फ़ासिक़ है, अलबत्ता ऐसा शख़्स जो मरीज़ हो कि रोज़ा रखने से उसकी जान पर बन आने का क़वी अंदेशा हो या सख़्त मर्ज़ में मुब्तिला हो और रोज़े की वजह से मर्ज़ के तूल पकड़ जाने का ग़ालिब गुमान हो उसके लिए जाइज़ है कि रमज़ान के रोज़े रमज़ान में न रखे और जब अच्छा हो जाए क़ज़ा रख ले।

नन्हे रोजेदार

पवित्र रमजान के अवसर पर शहर की सात वर्षीय बच्ची सादिया सबीर शेख ने पाक रोजा रख कर अल्लाह की इबादद की...

अलीजा सारीक शेख और अनाबिया सारीक शेख भी रखा रोज़ा....

उम्र 4 साल हुसैन इमरान पठान ने रखा रोज़ा....

सकीना, हुसैन, तंजीला ने रखा रोज़ा

अपने माता पिता और अपने बुजुर्गों को रोजा रखते तथा इबादत करते देख कर छोटे छोटे बच्चे भी रोजा रखने में पीछे नहीं हैं। वहीं कसाब पुरा-हंसापुरी निवासी शाहनवाज अख्तर (इंजीनियर) की बेटी 5 वर्षीय तंजीला, 7 साल की सकीना तथा शिफाउर रहमान के बेटे 6 वर्षीय मोहम्मद हुसैन ने पवित्र रमज़ान में रोज़ा रख कर अपने वालिद वालेदा और दादी नानी नाना की दुआएं लिए। सभी रोजादार बच्चों को मतीन कुरैशी, सगीर भाई, तौफीक भाई, तन्नू भाई, सबूर भाई, शकील पटेल, भुरू पटेल, जमील पटेल, सोहैल पटेल, एम ए रफ़ी आदि ने खूब दुआएं दी।

महाबोधी महाविहार मुक्ति के लिए शांति मार्च

भदंत ससाई के नेतृत्व में भीम चौक से संविधान चौक तक

नागपुर.

हाथ में पंचशील ध्वज और सिर पर नीली टोपी पहने हुए, सफेद वस्त्र पहने हुए आंबेडकरी अनुयायी जोरदार घोषणाएं करते हुए शांति मार्च में शामिल हुए। कामठी मार्ग और संविधान चौक उपासक और उपासिकाओं की घोषणाओं से गूंज उठे। बुद्धगया स्थित महाबोधी महाविहार का प्रबंधन बौद्धों के हाथों में सौंपने की मांग के लिए महाबोधी महाविहार मुक्ति के प्रणेता और धम्मसेना नायक भदंत आर्य नागार्जुन सुरेई ससाई के नेतृत्व में रविवार को सुबह भीम चौक, जरीपटका से शांति मार्च निकाला गया। बोधगया बौद्धों का सबसे पवित्र स्थल है। यहां पर तथागत गौतम बुद्ध को बोधि प्राप्ति हुई थी। सम्राट अशोक ने इस महाविहार का निर्माण किया था। इसलिए महाबोधी महाविहार का प्रबंधन बौद्धों के हाथों में दिया जाए, इस मांग के लिए अखिल भारतीय धम्मसेना,

महाबोधी भिक्खू -भिक्खूनी महासंघ, समता सैनिक दल, भारतीय बौद्ध महासभा, समस्त बुद्धविहार समिति और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से शांति मार्च निकाला गया। बुद्धवंदना के बाद शांति रैली की शुरुआत हुई। जरीपटका मार्ग से निकलने वाला शांति मार्च इंदोरा चौक पहुंचने के बाद भिक्खू संघ पर फूलों की वर्षा की गई। गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों से भिक्खू संघ का स्वागत किया गया।

सैकड़ों पंचशील ध्वज लहराए जा रहे थे। नीली टोपी पहने हुए अनुयायी घोषणाएं करते हुए मार्च कर रहे थे। यहां पर भदंत ससाई ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सामूहिक बुद्धवंदना के बाद उन्होंने उपासक और उपासिकों को मार्गदर्शन भी दिया। शांति मार्च में आयोजक गौतम अंबादे, हिमांशू उके, अर्चना राले, वर्षा बोरकर, श्रुती उके, अमन मेश्राम, निशांत इंदूरकर, अतांग कराडे, अक्षय खोब्रागडे सहित भिक्खू संघ, हजारों आंबेडकरी कार्यकर्ता, उपासक- उपासिका, बुद्धविहार समिति के सदस्य और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए।

1992 से आंदोलन की शुरुआत: भदंत ससाई

भदंत ससाई ने महाबोधी विहार और आंदोलन से संबंधित इतिहास को बताया। उन्होंने कहा कि उस समय महाविहार के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते थे, इसलिए जनजागृति करते हुए महाबोधी विहार मुक्ति आंदोलन की शुरुआत की थी। 1992 से अब तक 18 चरणों में आंदोलन किए गए। बिहार, पटना, बुद्धगया, दिल्ली आदि स्थानों पर लगातार आंदोलन किए गए ताकि सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा सके। इस आंदोलन में देश-विदेश से लाखों उपासक और उपासिकों ने समर्थन दिया। आज के शांति मार्च और इसमें शामिल अनुयायियों को देखकर यह लगता है कि आंदोलन की आंच अब भी कायम है। शांति मार्च में शामिल हर अनुयायी का उन्होंने दिल से आभार व्यक्त किया।

श्रीरंग बरगे ने उठाए सवाल

एसटी महामंडल की निविदा प्रक्रिया में हस्तक्षेप

नागपुर.

महाराष्ट्र एसटी कर्मचारी कांग्रेस के सचिव श्रीरंग बरगे ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एसटी महामंडल) के 1,310 बसों को किराए पर लेने के फैसले में एक बड़े व्यक्ति ने हस्तक्षेप किया था। उन्होंने कहा कि यदि निविदा प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के समय किसी ने फोन किया था, तो सीडीआर की जांच करने से इस मामले का सही समाधान मिल सकता है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के कारण एसटी महामंडल को लगभग 1,700 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता था, लेकिन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सतर्कता दिखाते हुए निविदा पर रोक लगा दी और जांच के आदेश दिए। इसके साथ ही निविदा प्रक्रिया रद्द कर दी गई। यह सही कदम था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शिता लानी चाहिए, ऐसा भी बरगे ने कहा। बरगे ने कहा कि निविदा प्रक्रिया के दौरान एक महत्वपूर्ण पद पर बैठे एक बड़े व्यक्ति ने हस्तक्षेप किया था। एसटी के अधिकारियों को कार्यालयीन कामकाज समाप्त करने के बाद घर जाने के लिए बुलाया गया और उन्हें मजबूर किया गया कि वे अधिक दर पर बसें देने का निर्णय लें। इस संदर्भ में यदि फाइल की पुरानी टिप्पणियाँ या कॉल रेकॉर्डिंग्स की जांच की जाए, तो सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा और दोषी का पता चलेगा, ऐसा उन्होंने कहा। महामंडल की बोर्ड की बैठकें आमतौर पर मुंबई में होती हैं, लेकिन इस निविदा को अंतिम रूप देने के लिए नागपुर में तात्कालिक बैठक बुलाई गई थी। इसके लिए एसटी के कुछ अधिकारियों को विमान द्वारा नागपुर बुलाया गया। इतनी जल्दी और खर्च क्यों किया गया, यह भी जांच का विषय है। यह कदम संभवतः किसी विशेष व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए उठाया गया था, इसके लिए भी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही, अगर एसटी के अधिकारियों ने अपने काम में लापरवाही की है, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए यह जांच सरकारी अधिकारियों के बजाय एक स्वतंत्र तंत्र द्वारा की जानी चाहिए, ऐसा भी बरगे ने कहा।

नाबालिग से जबरन संबंध बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

नागपुर. वाडी पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी हर्षल संजय टवडे (21), आठवा मैल, वाडी, निवासी ने 17 वर्षीय नाबालिग पीड़िता से पहले दोस्ती की और फिर प्रेमसंबंध बनाए। आरोपी ने पीड़िता की नाबालिग उम्र का फायदा उठाकर उसे अपने घर बुलाया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए। घटना 1 अगस्त 2024 से 27 जनवरी 2025 के बीच की है। जब पीड़िता को पेट में तकलीफ हुई तो उसके परिजनों ने अस्पताल में जांच करवाई, जिससे पता चला कि वह गर्भवती है। इसके बाद पीड़िता के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर वाडी पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(ड) और पोक्सो एक्ट की धारा 4, 6, 8 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

रेलवे ट्रैक पर घायल मिले व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

नागपुर. सोनेगांव थाना क्षेत्र में नवनिर्मित मेट्रो स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना 13 मार्च की सुबह करीब 9:30 बजे की है। अप रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति (उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष) रेलवे दुर्घटना में घायल होकर बेहोश पड़ा मिला। उसके सिर पर गंभीर चोटें थीं। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने दोपहर 1:05 बजे उसे मृत घोषित कर दिया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर सोनेगांव पुलिस थाने में एएसआई अवचिते ने अकस्मात मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज की है। मृतक की पहचान और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

बिना अनुमति होली पार्टी पर पुलिस का छापा

नागपुर.

नागपुर के जबलपुर-हैदराबाद आउटर रिंग रोड स्थित फोर लाइन ढाबा (एफएलडी) में बिना अनुमति होली की पार्टी आयोजित करने पर पुलिस ने छापा मारा। इस पार्टी में 300 से अधिक युवक-युवतियां शामिल थे, जहां डीजे की तेज धुनों पर नाचते हुए शराब परोसी जा रही थी। क्राइम ब्रांच यूनिट 5 को गुप्त सूचना मिली थी कि बिना अनुमति यह पार्टी आयोजित की गई है।

पुलिस ने शुक्रवार दोपहर छापा मारते ही भगदड़ मच गई। युवक-युवतियां इधर-उधर भागने लगे और शराब की बोतलें छिपाने की कोशिश की गई। पुलिस को मौके से केवल 2-3 शराब की बोतलें ही मिलीं। आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज इस आयोजन के लिए आयोजकों ने पुलिस से अनुमति मांगी थी, लेकिन होली के माहौल को देखते हुए पुलिस ने मना कर दिया था। इसके बावजूद पार्टी आयोजित की गई। पुलिस ने कार्यक्रम आयोजकों नवीननगर निवासी आशीष देवेंद्र तिवारी, सुभाषनगर निवासी नीलेश महेश रोकड़े, समतानगर निवासी सुनील माणिक गौतम और ढाबे के संचालक आरीफ के खिलाफ महाराष्ट्र प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

बताया जाता है कि 'जोनइन' नामक इंस्टाग्राम पेज के जरिए इस आयोजन का प्रचार किया गया था और ऑनलाइन एंट्री पास बांटे गए थे। पुलिस को संदेह है कि पार्टी में और भी नशीले पदार्थ बेचे जा रहे थे। चर्चा है कि एक युवती इसमें सक्रिय थी, लेकिन पुलिस के छापे के दौरान वह फरार हो गई। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने कानून की अनदेखी करते हुए यह पार्टी आयोजित की, जिससे साफ है कि उन्हें नियमों की कोई परवाह नहीं थी। इस मामले की गहन जांच की जा रही है, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रमेश नागलकर फिर चुने गए नागपुर जिला पत्र विक्रेता संगठन के अध्यक्ष

नागपुर. आंबेडकर सांस्कृतिक सभागृह, ऊर्वीला कॉलोनी, नागपुर में 15 मार्च 2025 को नागपुर जिला पत्र विक्रेता संगठन की चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इस चुनाव में शहर और ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े पत्र वितरण करने वाले संगठन के सभी सदस्य उपस्थित थे। चुनाव प्रक्रिया में रमेश नागलकर को जिला अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। जिले के उपाध्यक्ष पद के लिए सक्करदरा सेंटर के मंगेश वासनिक और रामनगर सेंटर के अशोक वाटेकर को चुना गया। वहीं, ग्रामीण उपाध्यक्ष के रूप में दिपांकर गणवीर की नियुक्ति की गई। जिला सचिव पद के लिए इंदोरा सेंटर के शैलेंद्र वागदे, कोषाध्यक्ष पद के लिए रामदास पेठ सेंटर के पवन सहारे, कार्याध्यक्ष पद के लिए माणिक चहांदे, सह कोषाध्यक्ष के रूप में माळगे नगर सेंटर के रवींद्र घंगारे और सहसचिव के रूप में नितेश बाहे (रामनगर सेंटर) की नियुक्ति की गई। सलाहकार समिति में मनीष वासनिक (नागपुर), सुनील भाऊ पाटणकर (वर्धा), दिनेश उके (गोंदिया), और विनोद पन्नासे (गोंदिया) का चयन किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना और रूपरेखा इंद्रपाल रामटेके ने की, जबकि भविष्य में होने वाली गतिविधियों की जानकारी रमेश नागलकर ने दी। मुख्य पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का समापन मनीष वासनिक (तुकडोजी सेंटर) ने किया। भोजन व्यवस्था नितीन फुलझले ने की।

कार की टक्कर से महिला गंभीर घायल

नागपुर. कोराडी थाना क्षेत्र में गायकवाड़ चौक के पास एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक दंपत्ति सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। इस हादसे में पति को मामूली चोटें आईं, जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविंद्र शंकरराव कुलसुगे (38) अपनी पत्नी कल्पना के साथ अपनी होंडा स्प्लेंडर पर सवार होकर जा रहे थे। उसी दौरान एक अज्ञात सफेद रंग की चार पहिया वाहन के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में रविंद्र को मामूली चोटें आईं, लेकिन उनकी पत्नी कल्पना को गंभीर चोटें

नागपुर पुलिस का 'मिशन जीवन रक्षा अभियान'

होली के दिन यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की

नागपुर.

नागपुर शहर में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त द्वारा 'मिशन जीवन रक्षा अभियान' शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत 13 और 14 मार्च 2025 को शहरभर में विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी की गई, साथ ही ड्रंक एंड ड्राइव रोकने के लिए विशेष टीमें तैनात की गईं। वाहतूक विभाग के चलाए गए इस अभियान में कुल 40 स्थानों पर नाकाबंदी कर यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई। शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामलों में 310 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई, वहीं कुल 5020 ट्रैफिक उल्लंघनकर्ताओं पर दंड लगाया गया। ज़ोन वाइज ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ कार्रवाई, एमआईडीसी परिमंडल में 32 ड्रंक एंड ड्राइव, 470 अन्य ट्रैफिक उल्लंघन पर कार्रवाई, सोनेगांव मे 24 ड्रिंक एंड ड्राइव तथा 546 अन्य, सदर में 17 और 329, सीताबर्डी में 27 और 355 कॉटन मार्केट जोन में 33 और 359, लकड़गंज में 29 और 653, अजनी में ५३ और 603, सक्करधरा में 24 और 577, इंदोरा मे 42 और 475, कामठी में २९ और 653 इस तरह शहर में सभी 10 जोन में कुल 310 ड्रिंक एंड ड्राइव सहित 5020 वाहन चालकों पर चालान कार्रवाई हुई। वाहतूक विभाग ने स्पष्ट किया है कि ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर वाहन चलाते हुए पाया जाता है, तो उसे ₹10,000 तक का दंड भरना होगा। इसके अलावा, ट्रैफिक नियमों का पालन न करने वाले अनुशासनहीन वाहन चालकों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागपुर पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति यातायात नियमों का उल्लंघन करता है, तो वे 'ट्रैफिक मित्र' व्हाट्सएप नंबर 8976897698 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायत के साथ संबंधित स्थान की तस्वीर, समय और स्थान की जानकारी भेजने का आग्रह किया गया है, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। पुलिस का 'ट्रैफिक मित्र' अभियान नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाया जा सके।

ताजआबाद में रोजेदारों के लिए दावत-ए-इफ्तार

नागपुर.

ताजआबाद शरीफ में बाबा ताजुद्दीन ट्रस्ट की जानिब से रविवार को भव्य दावत-ए-इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया. इसमें बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शामिल होकर इफ्तार की. दरगाह परिसर, लंगर खाने में रोजेदारों के लिए इफ्तार की दस्तरख्वान सजाई गई. इफ्तार से पहले रोजेदारों ने यहां दुआ मांगी. रविवार को रमजान महीने का पंद्रहवां रोजा रखा गया. पंद्रहवें रोजे पर इफ्तार पार्टी के आयोजन में बड़ी संख्या रोजेदार इफ्तरा के लिए ताजआबाद पहुंचे थे. इफ्तार के बाद मगरिब की नमाज पढ़ी गई और शाही मस्जिद के इमाम खुर्शीद आलम ताजी ने देश के लिए दुआ मांगी. इस अवसर पर हजरत बाबा ताजुद्दीन ट्रस्ट के चेयरमैन प्यारे खान, सचिव ताज अहमद राजा, उपाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र जिचकार, ट्रस्टी मुस्यफाफाई टोपीवाला, हाजी फारुख भाई बावला, गजेंद्र पाल सिंह लोहिया, हाजी इमरान खान ताजी, बाबा ताजुद्दीन दरगाह खुद्दाम कमेटी के अध्यक्ष सैयद मोबिन ताजी आदि उपस्थित थे.

बावनकुले ने कहा-विभाग प्रमुखों का सरपंच के साथ समन्वय जरूरी

नागपुर.

शुक्रवार की रात को नागपुर से चंद्रपुर जा रही एक एसटी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस ने हायवे पर खड़े एक वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बस में बैठे चालक को गंभीर चोट आई है, जबकि कंडक्टर की जगह पर ही मौत हो गई। गनीमत है, कि बस में 6-7 यात्री ही थे, जो घटना में घायल हुए हैं। बस नागपुर से छूटने से अधिकतम यात्री नागपुर के थे

शुक्रवार को धूलीवंदन के कारण सुबह से ही बसों का परिचालन बंद कर रखा था। जिसका मुख्य कारण हुड़दंगियों से बसों को बचाना था। लेकिन शाम होते ही यात्रियों की उपस्थिति को देखते हुए कुछ जगहों के बसों को रवाना किया जा रहा था। जिसमें नागपुर के गणेशपेठ बस स्टैण्ड पर रात को 9 बजे चंद्रपुर डिपो से बस आई थी। यह बसें चंद्रपुर के लिए नागपुर से 7 यात्रियों को लेकर निकली थी। सूत्रों के अनुसार रात को चंद्रपुर के लिए निकली इस बस का पडोली के पास एक्सीडेंट हो गया। बताया गया कि रास्ते के किनारे खड़े एक वाहन से बस पीछे से भीड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी, कि बस का सामने वाला हिस्सा ड्राइवर के कैबिन से लेकर यात्रियों की पहली सीट तक चकनाचूर हो गया। बस में ड्राइवर के दिशा में टक्कर कम थी, जिससे ड्राइवर के पैर इसमें दब गये, लेकिन इसी के पास में बैठे कंडेक्टर की जगह पर मौत हो गई। भीतर 6 यात्री एक दूसरे पर पटके जाने से गंभीर चोटिल हो गये। घटना की जानकारी आस - पास के लोगों को मिलते ही सभी घायलों को नजदीक के अस्पताल में भेजा गया।

लगातार एसटी हो रही हादसों का शिकार

परिवहन में सामान्य लोगों की पहली पसंद एसटी महामंडल की बसें है। इस बसों के सहारे ही लोग शहर से गांव व गांव से शहर तक जाते हैं। एक समय ऐसा था, कि एसटी बसों को बहुत ज्यादा सुविधाजनक व सुरक्षित माना जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं रहा है। बसों की सुरक्षा अब कम हो गई है। यह हम नहीं लगातार दुर्घटना का शिकार होनेवाली एसटी बसों के आंकड़े बयां कर रहे हैं। सालभर की बात करे तो 50 से ज्यादा एसटी बसे दुर्घटना का शिकार हो चुकी है। जिसमें कई घटनाएं गंभीर व जांन जानेवाली है। उपरोक्त घटना भी उसी में एक है।

युवा चेतना ने संत तुकाराम को दी श्रद्धांजलि

कामठी.

जगद्गुरु संत शिरोमणि संत तुकाराम महाराज को आज रविवार को बीज दिवस (स्मृति दिन) के अवसर पर स्वामी विवेकानंद वाचनालय रनाला में कामठी विधानसभा विश्वकर्मा योजना के प्रमुख अमोल नागपुरे, दिव्यांग फाउंडेशन के सचिव बॉबी महेंद्र की प्रमुख उपस्थिति में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रा. पराग सपाटे ने "तुकाराम महाराज बीज" विषय पर जानकारी दी और इस बीज दिवस पर संत तुकाराम महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि देने और दिन की शुभकामनाएं न देने का आह्वान किया। सूत्र संचालन हिमांशु लोंडेकर ने किया और अक्षय खोपे ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दिनेश पठाड़े, जतिन शंभरकर प्रमुखता से उपस्थित रहे।

यादव समाज ने भेड़िखाना में धूमधाम से मनाई होली

कामठी.

यादव समाज द्वारा भेड़िखाना में होली त्योहार धूमधाम के साथ गरिमा पूर्वक सम्पन्न हुआ। छावनी क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष रितेश मानसिंह यादव द्वारा आयोजित होली त्योहार समारोह का प्रारम्भ आराध्य देव श्रीकृष्ण की मूर्ति पर पूजा कर गुलाल लगा कर फाग गायन के साथ हुआ, तत्पश्चात उपस्थित वरिष्ठ और युवा यादव भाईयो ने एक दूसरे को गुलाल लगा, गले लगकर होली की शुभकामनाएं दी। वहीं उपस्थित बड़े बुजुर्गो का हरवा (हार) पहनाकर सम्मान किया गया। होली त्योहार को सम्बोधित करते हुए रितेश यादव ने उल्लास और भाईचारा का पर्व होली की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक सदभावना बना रहे इस पर जोर दिए। समारोह में प्रमुख रूप से छावनी क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष रितेश यादव, मानसिंह यादव, राजन यादव, रामचंद्र यादव , प्रमेंद्र राजन यादव, समिर यादव, संदीप (भुरु) यादव,शरद गोमेकर, अन्न शर्मा, प्राणनाथ द्विवेदी, अनिल प्रधान, शोमेस जेटली, सोम यादव, सार्थक यादव, अभिषेक द्विवेदी, राहुल द्विवेदी, उज्ज्वल यादव, हर्षल यादव, बिल्लु यादव, जयपाल यादव, मन्नू यादव आदि उत्सव में शामिल होकर भाईचारा का पर्व होली को धूमधाम से मनाए।

रिपाई ने की निकाय चुनाव कराने की मांग

कामठी.

ज़िला परिषद, पंचायत समिति, नगर परिषद में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (रिपाई) गवई ने सरकार पर जल्द से जल्द निकाय चुनाव कराने की मांग की है। रिपाई ज़िला अध्यक्ष सुधीर शंभरकर का कहना है कि सरकार जानबूझकर बहाना करके चुनाव आगे बढ़ाना चाहती है। ज़िला अध्यक्ष सुधीर शंभरकर ने ज़िला में निकाय चुनाव समय पर कराने की मांग की है। उन का कहना है कि सरकार स्थानीय निकाय चुनाव के कार्यक्रम फौरन घोषित करे। सुधीर शंभरकर का कहना है कि प्रदेश सरकार ने निकाय चुनाव के कार्यक्रम घोषित नहीं किए हैं और ना ही वार्डों, निकाय अध्यक्षों, महापौरों के आरक्षण की प्रक्रिया को शुरू किया है।

सुधीर शंभरकर का कहना है कि प्रदेश की ज्यादातर निर्वाचित निकायों का कार्यकाल खत्म हो चुका है। ऐसे में समय पर चुनाव कराने के लिए जरूरी है कि चुनाव कार्यक्रम फौरन घोषित किए जाएं। ऐसा नहीं किए जाने से साफ है कि सरकार की मंशा चुनाव को समय पर कराने की नहीं है। बीजेपी सरकार अपने कार्यकाल में लोगों की नाराजगी से डर गई है।

बहू ने सास-ससुर पर कराया मारपीट का मामला दर्ज

> चैतन्य सामाजिक संस्था ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

नागपुर.

एम.आय.डी.सी. पुलिस थाना अंतर्गत जयताला रोड, गणराज सेलिब्रेशन के पीछे अष्टविनायक नगर निवासी ससुर भानुदास चिव्हाणे और सास माया भानुदास चिव्हाणे की मारपीट से पीड़ित बहू ने अपने ससुर सौ. प्रीति स्वप्निल चिव्हाणे के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया है। जिसके अब पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी अनुसार टी.सी.एस. मिहान में वित्त विभाग में वरिष्ठ सहयोगी के पद पर कार्यरत प्रीति स्वप्निल चिव्हाणे अपने सास सौ. माया भानुदास चिव्हाणे (63), ससुर भानुदास चिव्हाणे (65), पति स्वप्निल चिव्हाने (35) के साथ रहती हैं। सोमवार 10 मार्च की शाम 8.45 बजे करीब ससुर भानुदास चिव्हाणे और सास माया भानुदास चिव्हाणे ने किसी बात को लेकर उसकी निर्ममता से पिटाई शुरू कर दी। सौ प्रीति स्वप्निल चिव्हाने लहूलुहान जख्मी होने पर उसके भाई ने उपचार के लिए विवेका अस्पताल में भर्ती कराया। सौ प्रीति स्वप्निल चिव्हाने ने अपने ससुर भानुदास चिव्हाणे और सास माया भानुदास चिव्हाणे पर अक्सर मारपीट कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए अब एम.आई.डी.सी थाने में अपने ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। इंस्पेक्टर महेश चव्हाण ने बताया कि प्रीति स्वप्नील चिव्हाणे की तहरीर पर उसके ससुर भानुदास चिव्हाणे और सास माया भानुदास चिव्हाणे के खिलाफ बीएनएस की धारा 117 (2), 252, 251(2), 115 (2), 3(5) में मुकदमा दर्ज कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी गई है।

उपरोक्त अपराधिक घटना पर चैतन्य जनता सामाजिक सुरक्षा कल्याण की नागपुर शहर अध्यक्ष श्रीमती सुनीता ठाकरे, उपाध्यक्ष मोहम्मद हाफ़िज़ साबरी, विदर्भ अध्यक्ष संगीता शाकये ने गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि थाने में पूर्व में लिखित सूचना देने के बावजूद अब तक किसी भी दोषी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिसके चलते आरोपियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं, और वे बार-बार इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इसलिए उन्होंने उपरोक्त आरोपियों पर जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई करते हुए उनको सजा दिलवाने की मांग की है।

नगर परिषद का अतिक्रमण हटाओ अभियान आज से पांच दिन

कामठी. नगर परिषद ने शहर को अतिक्रमण मुक्त और व्यवस्थित बनाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर रही है। इस अभियान के तहत आज रविवार 17 मार्च से पांच दिनों तक शहर के विभिन्न हिस्सों में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को हटाने का कार्य किया जाएगा । नगर परिषद के प्रशासक व मुख्याधिकारी संदीप बोरकर के मार्गदर्शन में संबंधित अधिकारी शहर के व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को अपने स्तर पर अतिक्रमण हटाने के लिए समझाइश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें चेतावनी देते हुए दो दिनों के भीतर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। नगरपरिषद की और से लाउडस्पीकर द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर घूमते हुए व्यापारियों को अतिक्रमण हटाने और दो दिन का नोटिस चस्पा करते हुए घोषणा की गई।

नगर परिषद द्वारा यह कदम शहर की बढ़ती समस्याओं, जैसे यातायात बाधा और अवैध निर्माण से निपटने के लिए उठाया गया है। परिषद के कर्मचारियों ने अतिक्रमण हटाने की सूचना देने के लिए संबंधित क्षेत्रों में नोटिस चस्पा किए हैं। इस दौरान नगर परिषद का पूरा लवाजमा मौके पर मौजूद रहेगा है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब नगर परिषद ने ऐसा अभियान चलाया हो। इससे पहले भी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए कुछ दिनों पहले ही अतिक्रमण हटाया गया था। नगर परिषद अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान शहर को सुचारू और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए बेहद आवश्यक है। इस अभियान के जरिए न केवल सड़कें और बाजार साफ-सुथरे होंगे, बल्कि आम जनता को भी बेहतर सुविधा मिलेगी।

क्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

सावनेर. शहर के गांधी चौक के पास रविवार दोपहर करीब 4 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक युवक की क्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।

युवक की पहचान विजय भीमराव डहाट (उम्र 33 वर्ष, निवासी मंगसा, तहसील सावनेर) के रूप में हुई है। वह प्रोफेसर कॉलोनी से गडकरी निवास के पास स्थित सब्जी एवं फल की दुकान से खरीदारी करने गया था। सड़क पार करते समय सावनेर बस स्टॉप से गांधी चौक की ओर जा रही क्रेन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही हित्ज्योती फाउंडेशन के हितेश बंसोड ने सावनेर पुलिस को सूचित किया। सूचना पर सावनेर पुलिस स्टेशन के अधिकारी संजय शिंदे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक के परिजन मुकेश सहयोव मरकाम (निवासी मंगसा) की शिकायत पर सावनेर पुलिस ने क्रेन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच थाना प्रभारी रविंद्र पाटिल के मार्गदर्शन में हवलदार संजय शिंदे कर रहे हैं।

सड़क किनारे बढ़ते अतिक्रमण से बढ़ रहे हादसे

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, शहर के व्यस्ततम चौराहों और सड़कों पर अवैध रूप से सब्जी, फल और अन्य दुकानों का अतिक्रमण तेजी से बढ़ रहा है, जिससे सड़क हादसों की संख्या में वृद्धि हो रही है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी होने के बावजूद, इस अतिक्रमण के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो ऐसे हादसे लगातार होते रहेंगे।

विश्व महिला दिवस और धुलिवंदन उत्साहपूर्वक संपन्न

रामटेक.

दिव्यनारी सोशल फाउंडेशन की ओर से अरोली में जागतिक महिला दिवस और धुलीवंदन के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत क्रांति ज्योति सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा को नमन कर की गई। इस अवसर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और नशा मुक्ति अभियान चलाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मार्गदर्शक डॉ. दिलीप वैरागडे (पूर्व डीन, फैकल्टी ऑफ कॉमर्स, नागपुर विश्वविद्यालय) ने महिलाओं के लिए स्वरोजगार के महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें सशक्त बनने की प्रेरणा दी। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ता अतुल इंदाने ने हर घर को नशामुक्त बनाने पर बल दिया।

दिव्यनारी सोशल फाउंडेशन की अध्यक्षा कामिनी ताई हटवार ने संस्था के उद्देश्यों और समाज में इसके योगदान को समझाया। कार्यक्रम के दौरान जीवन में चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने वाली महिलाओं और आशा वर्कर्स को सम्मानित किया गया। साथ ही, पारंपरिक होली-धुलीवंदन का उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रीति सोनटक्के (प्रशिक्षक), जया सोनटक्के (ब्यूटीशियन), सचिव रोशनी हटवार, स्वाती वैरागड़े, सीताबाई शाहू, वैशाली निमकर, पिंकी समरित, लताबाई जुमले, प्रभाबाई मेहर, वनिता आकरे, भारती वाडीभस्मे, ममता समरित, सोनू सावलीकर, शोभा देशमुख, श्रीलक्ष्मी कलेघंटी, नीलावती वैरागड़े, नंदा कनोजे सहित अनेक महिलाएं और बच्चे उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आयोजन दिव्यनारी सोशल फाउंडेशन द्वारा किया गया, और आभार प्रदर्शन रोशनी हटवार ने किया।

तेंदुए ने गाय का शिकार किया, ग्रामीणों में दहशत

कोंढाली/धुरखेड़ा.

कोंढाली और धुरखेड़ा गांव के पास तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया है। यह घटना कोंढाली-काटोल के एक खेत में स्थित गौशाला की है, जहां तेंदुए ने एक तीन वर्षीय गाय (बछड़ी) का शिकार कर लिया।

कोंढाली से एक किलोमीटर और धुरखेड़ा गांव से मात्र 200 मीटर की दूरी पर नितिन और हर्षल देवताले की गौशाला में यह घटना घटी। किसान नितिन देवताले ने इसकी जानकारी कोंढाली वनपरिक्षेत्र अधिकारी निशिकांत कपगते को दी। सूचना मिलते ही उप वनपरिक्षेत्र अधिकारी मालके और वनरक्षक अमोल गाडगिले मौके पर पहुंचे। पशुधन चिकित्सक की मौजूदगी में मृत गाय का पंचनामा कर रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई।

यह क्षेत्र बोर टाइगर रिजर्व के नजदीक है, जहां बाघ और तेंदुओं की मौजूदगी पहले से ही दर्ज की गई है। अब तेंदुए कोंढाली क्षेत्र तक पहुंच गए हैं, जिससे किसान, खेतिहर मजदूर, ग्रामीण, स्कूली छात्र और यात्री भयभीत हैं।

पिछले एक साल में कोंढाली वन क्षेत्र में बाघ और तेंदुए 87 बकरियों और मवेशियों का शिकार कर चुके हैं। कोंढाली-मासोद मार्ग के पास स्थित रामगढ़ पहाड़ी और घोड़ा डोंगरी झील क्षेत्र में तेंदुओं ने अपना ठिकाना बना लिया है। इससे हर सप्ताह पशुधन की हानि हो रही है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सुरक्षा के लिए सफारी गेट की मांग

हिंसक वन्य जीवों से किसानों और उनके पशुधन की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों ने वन विभाग से मासोद/कामठी क्षेत्र में बोर अभयारण्य टाइगर प्रोजेक्ट के लिए सफारी गेट बनाने की मांग की है। इस मांग को लेकर मासोद के सरपंच रंजू प्रकाश बारंगे, राहुल डोंगरे, कामठी के सरपंच कडू पाटील, राजू किनेकर, उपसरपंच रूपराव गोंडाणे और प्रकाश बारंगे ने वन विभाग से उचित कदम उठाने की अपील की है। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग जल्द से जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाए, ताकि किसानों और ग्रामीणों को राहत मिल सके।

विश्वविद्यालय का 255.72 करोड़ रुपये से अधिक का बजट मंजूर

> कुलपति की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2025-26 की हुई बैठक

अमरावती.

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय का वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 255.72 करोड़ रुपये का बजट शनिवार को आयोजित बैठक में स्वीकृत कर दिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. मिलिंद बारहाते ने की। बजट अधिसभा में प्रबंधन परिषद के सदस्य डॉ. व्ही.एच. नागरे ने प्रस्तुत किया। इस बजट में 192.36 करोड़ रुपये की अनुमानित आय दिखाई गई है, जबकि 63.36 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया गया है।

बैठक में प्रो-कुलगुरु डॉ. महेंद्र ढोरे, कुलसचिव डॉ. अविनाश असनारे सहित सभी अधिसभा सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति, विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बजट को संतुलित करने और घाटे को कम करने के लिए कई संभावित उपायों पर भी विचार किया गया।

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय के 2025-26 के बजट को तीन मुख्य भागों में विभाजित किया गया है। विश्वविद्यालय को मिलने वाली वित्तीय सहायता केंद्र सरकार, राज्य सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान

आयोग, महाविद्यालयों और विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क के माध्यम से प्राप्त होती है। इस बजट में विश्वविद्यालय के रखरखाव, विकास कार्यों और शैक्षणिक एवं शोध परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। बजट में अनुसंधान कार्यों के लिए धनराशि आवंटित की गई है, जिससे विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। बजट में 63.36 करोड़ रुपये का घाटा दर्शाया गया है, जिसे संतुलित करने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि विश्वविद्यालय की आय बढ़ाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए जा सकते हैं। इनमें नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अधिक फंडिंग प्राप्त करना और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने जैसे उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, सरकारी और निजी संस्थानों के साथ साझेदारी कर विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने पर भी विचार किया गया। बजट समिति ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय को अधिक से अधिक बाह्य वित्त पोषण स्रोतों की ओर ध्यान देना चाहिए, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति संतुलित बनी रहे। इस बार के बजट में विशेष रूप से शिक्षा और शोध को प्राथमिकता दी गई है। विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नई परियोजनाओं को शुरू करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत उन्नत प्रयोगशालाओं की स्थापना, डिजिटल लाइब्रेरी का विस्तार, स्मार्ट क्लासरूम की संख्या बढ़ाने जैसे कार्यों को बजट में शामिल किया गया है। इसके अलावा, विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं को भी सुदृढ़ करने की पहल की गई है। अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए वित्तीय सहायता का विशेष प्रावधान किया गया है।

भविष्य की योजनाएं

बैठक में भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा हुई, जिसमें विश्वविद्यालय को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रणनीतियाँ बनाई गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में बजट घाटे को समाप्त कर संतुलित वित्तीय स्थिति प्राप्त की जाए। इसके लिए, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना,

'औषध विपणन व्याप्ति और संभावनाएं' विषय पर व्याख्यान आयोजित

हिंगनघाट.

विद्या विकास शिक्षण संस्था, हिंगनघाट द्वारा संचालित तुलसकर कॉलेज ऑफ फार्मेसी में "औषध विपणन में व्याप्ति और संभावनाएं" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन 15 मार्च को किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को औषध विपणन क्षेत्र की विस्तृत जानकारी देना और इस क्षेत्र में उपलब्ध करियर के अवसरों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र गुंडे ने अतिथि वक्ता मयूर धापकस, टेरिटरी बिजनेस मैनेजर, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल, नागपुर का परिचय कराते हुए की। मयूर धापकस ने अपने व्याख्यान में फार्मा मार्केटिंग की वर्तमान स्थिति, विपणन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियां, मार्केटिंग रणनीतियां और एक सफल सेल्स एग्जीक्यूटिव बनने के महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। विद्यार्थियों ने व्याख्यान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और चर्चा के दौरान भारत और विदेशों में फार्मा क्षेत्र में उपलब्ध नौकरी के अवसरों पर अपने सवाल पूछे, जिनका अतिथि वक्ता ने विस्तार से उत्तर दिया। इस कार्यक्रम का संचालन मोनिका गोल्हर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अनिकेत सावरकर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रा. राकेश जोशी और प्रा. प्रणय बुरले का विशेष योगदान रहा। इस व्याख्यान से विद्यार्थियों को औषध विपणन के क्षेत्र में गहरी जानकारी प्राप्त हुई, जिससे उनका भविष्य में सही करियर चयन करने में मार्गदर्शन होगा।

बांध में डूबने से दो युवकों की मौत

यवतमाल. कलंब तहसील के खोराड (बुद्रुक) में पानी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई. वहीं, उनके डूब रहे तीन युवकों को बचा लिया गया। यह घटना होली के दिन गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है. मृतक पंकज अशोकराव झाडे और जयवंत पंधारी, आदित्य अंकुश राऊत, पवन वसंतराव घोटेकर और सागर घोटेकर सभी रिश्तेदार हैं। यह सभी होली का त्योहार मनाने के लिए खोराड में अपने बहनोई अरुण भोयर के घर गए थे। होली खेलने के बाद नहाने के लिए ये पाँचो लोग पानी में कूद गए. इस दौरान पंकज झाडे और जयंत पंधारी धन फुले बांध में तैरते समय डूबने लगे. वहां मौजूद पवन घोटेकर, सागर घोटेकर और आदित्य राऊत ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी डूबने लगे. घटनास्थल से कुछ दूरी पर मछली पकड़ रहे कुछ लोगों ने इन युवकों को डूबते देखा और डूब रहे युवकों में से तीन को किनारे लाया गया और उनकी जान बचाई गई। लेकिन तब तक पंकज और जयंत पानी डूब गए थे.

युवती के साथ कर रहे थे जबर्दस्ती, आरोपी के चेहरे से रूमाल हटाते ही भाग निकले

भंडारा.

मुंह पर रुमाल बांधकर एक अज्ञात आरोपी ने युवती के साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। किंतु हिम्मत के साथ प्रतिकार करते हुए अपनी अस्मिता बचाई और आरोपी के चंगुल से भागने में वह सफल हुई। इस दौरान शुरू हाथापाई में आरोपी के चहरे का रुमाल युवती ने हटाया। जिससे चेहरा दिखने पर आरोपी भाग निकला। घटना मंगलवार, 11 मार्च को शाम 5 बजे वरठी से सोनुली मार्ग पर हुई। युवती ने घर आकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। लेकिन परिजनों ने बुधवार,12 मार्च को वरठी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

जानकारी के मुताबिक मोहाड़ी तहसील के तहत आने वाले वरठी सोनुली मार्ग पर कॉलेज खत्म होने के पश्चात 21 वर्षीय युवती गांव जाने के लिए निकली। रास्ते से जाते समय कोई अपना पीछा कर रहा है इस बात की भनक युवती को लगी। उसने अपनी गति बढ़ाई। कुछ पल बाद वह दौड़ने लगी। आरोपी भी दौड़ने लगा। उसने पीछा करके उसका मुंह दबाया और खींचते हुए रास्ते के बाजू सुनसान जगह ले गया। इस समय अपने साहस का परिचय देते हुए युवती ने कड़ा विरोध किया और आरोपी के मुंह पर लात मारकर खुद को छुड़ाया। जैसे ही आरोपी के मुंह से रुमाल हटा पहचान जाहिर होने के डर से आरोपी भाग निकला। युवती जख्मी हालत में घर पहुंची। उसने परिजनों को आपबीती बताई। परिजनों ने इस मामले में वरठी पुलिस थाने में जाकर शिकायत दर्ज की। युवती को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। वरठी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता धारा 74 के तहत अपराध दर्ज किया है। जांच पुलिस थानेदार नीलेश गिरी के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक अजय मडामी कर रहे हैं।

पुलिस ने आरोपी जिस रास्ते से गया उस रास्तों की सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया है। एक दो स्थानों पर आरोपी दिखाई दिया है। ऐसी प्राथमिक जानकारी है। रेलवे पुलिस की भी इस मामले मदद ली गई है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवाल : दिनदहाड़े ऐसी घटना घटित होने के कारण वरठी परिसर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खडा हो रहा है। वरठी में शाला, कॉलेज, बैंक अन्य सरकारी कार्यालय के साथ ही रेलवे स्टेशन होने के का

हिंगनघाट शासकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य कब होगा?

> सरकार और जनप्रतिनिधियों से नागरिकों व संघर्ष समिति का सवाल

हिंगनघाट. महाराष्ट्र सरकार ने 2023 के बजट में राज्य के 14 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की थी। इन जिलों में वर्धा का भी समावेश था। वर्धा जिले में मेडिकल कॉलेज की मंजूरी की खबर मिलते ही हिंगनघाट के नागरिकों ने इसे अपने शहर में स्थापित करने के लिए विभिन्न आंदोलन किए।

इन आंदोलनों के कारण हिंगनघाट को मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति मिली, क्योंकि अब तक यहां कोई बड़ा उद्योग या उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित नहीं हो सका था। जनता की वर्षों की उपेक्षा का दर्द आंदोलन के रूप में सामने आया, और अंततः इस संघर्ष को सफलता मिली।

20 दिसंबर 2023 को नागपुर के शीतकालीन अधिवेशन में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हिंगणघाट में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की। इसके बाद, 5 फरवरी 2024 को सरकार ने इस संबंध में शासन निर्णय भी जारी कर दिया। लेकिन कॉलेज के लिए स्थान को लेकर विवाद खड़ा हो गया। अंततः 12 सितंबर 2024 को भूमि चयन का शासन निर्णय लिया गया। इसके बावजूद, 403 करोड़ रुपये के इस मेडिकल कॉलेज के निर्माण को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि वर्धा जिले को छोड़कर अन्य सभी 13 जिलों के मेडिकल कॉलेजों के लिए शासन निर्णय जारी कर दिया गया, उनके भूमि पूजन भी हो चुके, और निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। लेकिन विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से हिंगनघाट मेडिकल कॉलेज का मामला अधर में ही रह गया। अब चुनाव को संपन्न हुए चार महीने बीत चुके हैं, लेकिन फिर भी सरकार की उदासीनता के कारण मेडिकल कॉलेज के निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं की गई। इससे जनता में रोष व्याप्त है। साथ ही, नागरिकों को यह चिंता भी सता रही है कि इस मेडिकल कॉलेज के लिए आवंटित धनराशि कहीं अन्यत्र न खर्च कर दी जाए।

गहरा रहा जल संकट, जलाशयों में तेजी से घट रहा पानी का स्तर

>पीने के पानी की किल्लत होने की आशंका

अमरावती. गर्मी की तीव्रता बढ़ने के साथ ही अमरावती जिले में जल संकट गहराने लगा है। जिले के 56 जलाशयों में पानी का स्तर तेजी से घट रहा है, जिससे आने वाले दिनों में पीने के पानी की किल्लत होने की आशंका जताई जा रही है।

पिछले साल लगातार हुई झमाझम बारिश और जलाशय क्षेत्रों में भारी वर्षा के चलते अमरावती जिले के 56 जल संग्रहण परियोजनाओं में जलस्तर काफी बढ़ गया था। इनमें से कई जलाशय ओवरफ्लो तक हो गए थे। लेकिन इस साल, जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, पानी तेजी से वाष्पीकृत हो रहा है और जलाशयों का जलस्तर घटकर 46% तक आ चुका है। अगर पिछले साल के आंकड़ों से तुलना करें, तो 15 मार्च 2024 को जलस्तर 50.20% था। यानी इस साल जलस्तर में 4% की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे जल संकट की आशंका बढ़ गई है। फिलहाल, जिले के सबसे बड़े जलाशय अप्पर वर्धा डैम में 53.46% पानी शेष है। वहीं, 7 मध्यम जलाशयों में 52.22% और 48 लघु जलाशयों में केवल 47.65% जलस्तर बचा है। कई छोटे जलाशय पूरी तरह सूख चुके हैं, जबकि मध्यम जलाशयों का जलस्तर भी तेजी से घट रहा है।

गर्मी के दिनों में पीने के पानी, सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए पानी की मांग बढ़ जाती है, जिससे जलाशयों पर और दबाव पड़ता है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले दिनों में प्रशासन को जल संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। अमरावती जिले में घटता जलस्तर एक चेतावनी संकेत है। गर्मी के साथ-साथ जल की मांग बढ़ रही है, लेकिन जलाशयों में पानी लगातार कम हो रहा है। ऐसे में प्रशासन और आम जनता को जल संरक्षण के लिए जल्द से जल्द उपाय करने की जरूरत है।

श्मशान होलिकोत्सव में 'भूतभाषा और देवभाषा' पर व्याख्यान

> सदाशिवपेठी भाषा दृढ़ हुई, बोलीभाषा पीछे रह गईः डॉ. अशोक राणा

वर्धा.

वैदिक और पौराणिक ग्रंथों में जिन मूलनिवासी नागवंशियों को भूत-पिशाच कहकर उल्लेखित किया गया है, उनकी भाषा को "भूतभाषा" कहा जाता है। वैदिक संस्कृति ने अवैदिक समाज को "असुर, राक्षस, दैत्य, दानव, भूत, पिशाच" जैसे शब्दों से विकृत रूप में प्रस्तुत किया, जबकि "देव" शब्द को उच्च स्थान दिया। देव, आर्यों का एक विशेष वर्ग था, जिसकी भाषा समाज पर थोप दी गई। आज सदाशिवपेठ की भाषा प्रमाणभाषा बन चुकी है, जबकि मूल बोलीभाषा पिछड़ गई है। यह विचार लोकसंस्कृति अभ्यासक प्रा. डॉ. अशोक राणा ने 29वें लोकजागर शमशान होलिकोत्सव में व्यक्त किए।

अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (अंनिस) द्वारा स्थानीय श्मशानभूमि में विद्रोही मराठी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. राणा का 'भूतभाषा और देवभाषा' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया था। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पराग पोटे, अंनिस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य संजय इंगळे तिगावकर, युवा शाखा राज्य संघटक पंकज वंजारे, जिलाध्यक्ष हरीश इथापे, महिला शाखा जिला संघटक डॉ. सुचिता ठाकरे, पत्रकार मनोज भोयर, प्रवीण धोपटे, जिला सचिव निलेश गुल्हाने, कार्याध्यक्ष प्रा. विद्या राईकवार, उपाध्यक्ष दादाराव मून, डॉ. धनंजय सोनटक्के, प्राचार्य डॉ. चंदू पोपटकर, सहसंघटक आकाश जयस्वाल, सहसचिव अजय इंगोले, रवी पुनसे, आशिष मोडक सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित थे। व्याख्यान में डॉ. अशोक राणा ने कहा कि "पैसे की भाषा" को कई जगह पिशाचभाषा, राक्षसी भाषा या भूतभाषा कहा गया है, जिसे असंस्कृत माना गया। आर्यपूर्व काल में गणतांत्रिक शासन व्यवस्था थी, जिसमें समाज के लोग सामूहिक रूप से निर्णय लेते थे। यह व्यवस्था आर्यों को मान्य नहीं थी, क्योंकि गण समाज सभी के हितों की रक्षा करता था, जबकि आर्य व्यवस्था में राजा के हितों को प्राथमिकता दी जाती थी।

ईरान से आए आर्यों ने भारतीय समाज को जन्मजात भेदभाव में उलझा दिया। भेदभाव को दार्शनिक आधार देने के लिए मनुस्मृति की रचना भृगु गोत्र के विद्वानों ने की और उन्होंने महाभारत को विकृत कर दिया। उन्होंने परशुराम जैसे काल्पनिक पात्र की रचना कर भृगु गोत्र को आदर्श के रूप में स्थापित किया। डॉ. राणा ने आगे कहा कि पुणे की सदाशिवपेठी भाषा को पाठ्यपुस्तकों, प्रसारमाध्यमों और राज्य व्यवस्था में प्रमाणभाषा का दर्जा मिला। जबकि संत ज्ञानेश्वर और छत्रपति शिवाजी ने बोलीभाषा का अधिक प्रयोग किया था। लेकिन आज मराठी भाषा जटिल व्याकरणिक नियमों के कारण कमजोर होती जा रही है। भाषा को नियमों में इस कदर जकड़ दिया गया है कि हमारी सृजनात्मकता बाधित हो रही है। इस अवसर पर पराग पोटे ने भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अंधश्रद्धा निर्मूलन पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का प्रारंभिक भाषण डॉ. सुचिता ठाकरे ने दिया और अतिथियों का परिचय संजय इंगले तिगावकर ने कराया। संचालन प्रा. निलेश बोबडे और सान्वी वंजारे ने किया, जबकि आभार आशिष मोडक ने व्यक्त किया। व्याख्यान से पूर्व इंझाला उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्रा प्रणाली तायडे ने 'महामानव का वारसा और भविष्य भारत' विषय पर नाट्य प्रस्तुति दी। इसके अलावा मारोती चावरे ने प्रासंगिक कविता का वाचन किया।

इस होलिकोत्सव आयोजन में प्रा. एकनाथ मुरकुटे, युवा शाखा सचिव सतीश इंगोले, सुनील पाटणकर, अथर्व भिंगारे, सुरज बोदिले, शुभम जलगावकर, विक्रम खडसे, सार्थक लाखे, मनोज गायधने, पी.के. खोबे, पराग दांडगे, सुरज गणवीर, भूषण मसने, ज्ञानेश्वर आटे, जयंत सबाने, स्वराली इंगोले, उत्कर्षा सोनटक्के सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

पूर्व विधायक के खेत में विलुप्तप्राय केले की दुर्लभ प्रजाति, लोगों में कौतुहल

खामगांव.

पूर्व विधायक राजू तिमांडे के बोपापुर शिवार स्थित खेत में केले की एक विलुप्तप्राय प्रजाति का पेड़ पाया गया है, जिस पर फल लगे हैं। यह पेड़ उन्होंने लगभग चार साल पहले लगाया था। इस अनोखे फल को देखने के लिए अब क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं।

यह केला आकार में छोटा होता है और सामान्य केले से अलग दिखता है। दिलचस्प बात यह है कि जब इसका छिलका

हटाया जाता है, तो अंदर छोटे-छोटे सीताफल जैसे बीज पाए जाते हैं। स्वाद में यह बेहद मीठा और स्वादिष्ट होता है। राजू तिमांडे ने बताया कि यह पेड़ तीन से चार साल पुराना है, लेकिन इस क्षेत्र में पहली बार इस प्रकार के केले के फल देखने को मिले हैं। इसकी अनोखी बनावट और स्वाद को लेकर स्थानीय नागरिकों में आश्चर्य और जिज्ञासा बनी हुई है। खामगांव के कृषि विशेषज्ञ मिलिंद काले के अनुसार, यह प्रजाति केले के परिवार से संबंधित है और अब विलुप्ति के कगार पर है। इस फल में विटामिन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जिससे यह सेहत के लिए भी लाभकारी हो सकता है। पूर्व विधायक राजू तिमांडे ने बताया कि उन्हें इस प्रजाति की सटीक जानकारी नहीं है। उन्होंने यह पेड़ किसी से प्राप्त कर अपने खेत में लगाया था। अब इस दुर्लभ प्रजाति की पहचान के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है।

लोगों में बढ़ी जिज्ञासा

इस अनोखे केले के बारे में जानने के लिए बड़ी संख्या में लोग राजू तिमांडे के खेत पर पहुंच रहे हैं। यह विलुप्तप्राय प्रजाति वैज्ञानिकों और किसानों के लिए भी शोध का विषय बन सकती है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस प्रजाति का संरक्षण किया जाए, तो यह भविष्य में बहुत उपयोगी साबित हो सकता है।

पानसरे प्रकरण के आरोपी की जमानत याचिका रद्द करें

गोंदिया. प्रागतिक, विज्ञानवादी, वरिष्ठ विचारवंत एड. गोविंद पानसरे की हत्या को 20 फरवरी को 10 वर्ष पूर्ण हो गए हैं. उनके स्मृति दिन के मौके पर हत्या प्रकरण के आरोपी की जमानत याचिका रद्द करने की मांग भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने करते हुए गोंदिया स्थित प्रशासकीय इमारत के समक्ष प्रदर्शन किया. उल्लेखनीय है कि हत्या मामले में शामिल आरोपी की जमानत याचिका रद्द करने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जाए. ऐसी मांग करते हुए भाकपा सहित अनेकों जनसंघ के नेतृत्व में पूरे राज्य में प्रदर्शन, मोर्चा, आंदोलन आदि किए जा रहे हैं. गोंदिया के प्रशासकीय इमारत के समक्ष प्रदर्शन कर राज्य के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपविभागीय अधिकारी को सौंपा गया.

सड़क निर्माण कार्य की हो जांच

>सालेकसा तहसील के बिजेपार में सीमेंट सड़क के काम में अनियमितताएं

सालेकसा. सालेकसा तहसील के बिजेपार में सीमेंट सड़क के काम में अनियमितताएं हुई है. यहां 90 प्रतिशत काम घटिया गुणवत्ता के हुआ है. सीमेंट सड़क के नीचे कोई लोहे की जाली या चटाई नहीं बिछाई गई है. पुरानी सीमेंट सड़क पर नई सीमेंट सड़क बनाकर बिल जारी कर दिया गया, लेकिन काम एस्टीमेट के अनुसार नहीं हुआ. पानी भी नहीं डाला गया, सिर्फ ऊपर घास-फूस डालकर सीमेंट का फव्वारा बना दिया गया. कार्य की लंबाई 104 मीटर व चौड़ाई 3 मीटर है. इस कार्य पर लोक निर्माण विभाग ने 10 लाख रु. खर्च किए हैं. जानकारी के अनुसार कनिष्ठ अभियंता व उपविभागीय अधिकारी के साथ-साथ कार्यकारी अभियंता सिर्फ कार्यालय व फोन संपर्क के जरिए ही कार्यों की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन हकीकत में यह निर्माण कार्य पर नहीं जाते. इसका फायदा ठेकेदार उठाते हैं. इस संबंध में अधिक जानकारी लेने पर कनिष्ठ अभियंता द्वारा गोलमोल जवाब दिया जाता है. उपविभागीय अधिकारी व कार्यकारी अभियंता फोन नहीं उठाते. मांग की जा रही है कि बिजेपार में सड़क कार्य व केहरीटोला-मसीटोला में डामर सड़क कार्य की उच्चस्तरीय जांच की जाए.

पूर्व मंत्री मोहोड़ के प्रयासों से मिली करोड़ों की विकास सौगात

सौंसर.

पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़ के निरंतर प्रयासों से पांढुर्णा जिले की सौसर और पांढुर्णा विधानसभा क्षेत्र को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिली है। उनके द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन की मांग की गई थी, जिसे हाल ही में स्वीकृति मिल गई है।

इस बजट स्वीकृति के तहत पांढुर्णा पूर्व रेलवे क्रॉसिंग पर ₹10 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज का निर्माण होगा, जिससे लोगों को रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। इसके अलावा, ₹3 करोड़ की लागत से राजौरा कला से पांढुर्णा सड़क का निर्माण किया जाएगा, जिससे आवागमन सुगम होगा। वहीं, पांढुर्णा में सर्किट हाउस के निर्माण के लिए ₹3 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं, जो अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा होगी। सौसर विधानसभा में खैरी से बड़ोसा तक 3 किमी लंबी सड़क के लिए ₹3 करोड़ 75 लाख, बिछुआ बगू में पुलिया निर्माण हेतु ₹1 करोड़ 70 लाख, सावंगा बायपास सड़क के लिए ₹30 करोड़ 88 लाख और खैरितायगांव पहुंच मार्ग के लिए ₹1

करोड़ 30 लाख का बजट मंजूर किया गया है। पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़ ने सिर्फ सड़क और पुलिया निर्माण तक ही सीमित न रहते हुए शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए भी प्रयास किए हैं। उन्होंने पांढुर्णा के शासकीय महाविद्यालय में कृषि संकाय खोलने के लिए मंत्रियों से चर्चा की है, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा का लाभ मिलेगा और वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे।

जनता में खुशी, मुख्यमंत्री और मंत्रियों का जताया आभार, इस बजट स्वीकृति के बाद क्षेत्र की जनता में खुशी की लहर है। लोग पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़ के प्रयासों की सराहना कर रहे हैं और उन्हें धन्यवाद दे रहे हैं। इस मौके पर पूर्व मंत्री मोहोड़ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं अन्य मंत्रियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे और आगे भी जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर समाधान करवाएंगे। इस महत्वपूर्ण घोषणा के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल है, और लोग जल्द से जल्द इन विकास कार्यों के शुरू होने की उम्मीद कर रहे हैं।

हनुमान लोक में स्वामी प्रज्ञानानंद महाराज का पूजन एवं स्वागत

सौंसर. शनिवार को द्वारका एवं शारदा धाम पीठाधीश्व स्वामी प्रज्ञानानंद महाराज ने सुविख्यात चमत्कारिक हनुमान मंदिर, हनुमान लोक पहुंचक हनुमान की मूर्ति का अभिषेक एवं पूजन किया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वामी प्रज्ञानानंद महाराज का मंदिर ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष गोपाल शर्मा, संरक्षक दादाराव बोबडे, उपाध्यक्ष संतोष डवरे, सचिव टीकाराम कारोकर, एड. एन. खंडाईत (सह-सचिव), संजू डवरे (कोषाध्यक्ष), मनोहर शेलकी (सह-कोषाध्यक्ष) सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान नितिन मोहगावकर, पांडुरंग बोबडे, संदीप मोहोड़, एड. अजय धवले, शिशिर खंडार, राजू बावीस्टाले, नीलेश जूननकर, दिलीप बत्रा, भीमराव वाकोडे, मोहन ताजने, किशोर देवपुजारी, सुशील माहेश्वरी,

भास्कर गुढदे, मनोज तवले एवं भगवान कारोकर भी उपस्थित रहे। पूजन उपरांत स्वामी प्रज्ञानानंद महाराज ने ट्रस्ट कमेटी से आगामी दिनों में भव्य राम कथा आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की।

इसके पश्चात स्वामी प्रज्ञानानंद महाराज ने क्षेत्र घोघरा सुमेरुकुट में भी पहुंचकर पूजा-अर्चना की। यहां घोघरा आश्रम से जुड़े शशिकांत राय, प्रवीण त्रिवेदी एवं भवानी माता मंदिर सौसर कमेटी के अतुल जुननकर, प्रमोद पराड़कर, दीनदयाल शर्मा, श्याम ठाकुर, नामदेव इवनाती एवं अमोल राऊत ने उनका पुष्पहार से स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी जी का यह दौरा धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा, जिससे भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

निकिता फरकसे ने 98 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा 9वीं में पाया प्रथम स्थान

सौंसर.

सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सौसर में कक्षा 9वीं और 11वीं के मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 9वीं कक्षा के तीन सेक्शन और 11वीं कक्षा के चार सेक्शन के टॉप फाइव विद्यार्थियों सहित कुल 35 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस वर्ष कक्षा 9वीं का परीक्षा परिणाम 83% रहा, जिसमें निकिता फरकसे ने 98% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, 93% अंकों के साथ राहत जबी मंसूरी द्वितीय स्थान और 92% अंकों के साथ नीरज टेकाड़े तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा 11वीं का परीक्षा परिणाम 82% रहा, जिसमें हिमानी माकड़े ने 87% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। 86.8% अंकों के साथ उन्नति बांगडे द्वितीय स्थान और 86% अंकों के साथ माही गौड़ तृतीय स्थान पर रहीं।

इसके अलावा, मोहित मूलमुले, लतिका निखाड़े, वेदिका दीक्षित, शौर्य लामसे, फैजान मंसूरी, आर्यन निकाजू, गौरीका पाल, विशाखा निकोसे, मयंक सोमकुंवर, वैशाली कुमरे, नैना कुमरे, तनीषा अविनाश, अभय प्राजंलि, हितांशु मुसकोले, मेघा, प्रणाली मुन्ना आदि विद्यार्थियों को भी उनके अभिभावकों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों में लक्ष्मण फरकसे, वासुदेव मूलमुले, अजय सिंह दीक्षित, गोपाल घोड़मारे, सानिया मंसूरी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही, विद्यालय प्राचार्य शैलजा बत्रा ने विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए उन्हें आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दीं। उपप्राचार्य संजय गवनेकर ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी संजय पडोले, शेषराव सिंगपुरे, चंद्रकांत देशमुख, रीना तुमड़ाम, दिनेश्वर गौतम, कल्पना मानकर, चारु सेलूटकर आदि शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनुराधा परिहार ने किया और आभार प्रदर्शन प्रतिमा कुमरे ने किया।

छात्र सैनिकों ने समाज सेवा के संकल्प के साथ जलाई बुराइयों की होली

> एनसीसी कैडेट्स ने लिया समाज प्रबोधन का संकल्प, अनूठी पहल की सर्वत्र सराहना

नागपुर. लिबरल एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित हड्स हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज तथा 2 महाराष्ट्र सिग्नल कंपनी, एनसीसी, नागपुर के छात्र सैनिकों ने इस वर्ष होली को समाज सेवा और जागरूकता के संकल्प के साथ मनाया। उन्होंने समाज में व्याप्त अवांछनीय रीति-रिवाजों और परंपराओं के खिलाफ आवाज उठाते हुए उनकी "होली" जलाई और एक नई सोच के साथ अच्छे कार्य करने का संकल्प लिया।

एनसीसी कैडेट्स ने अपने संकल्प को प्रतीकात्मक रूप से प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न

सामाजिक बुराइयों के नाम लिखे हुए फलक जलाए। साथ ही, उन्होंने अपने भीतर की बुराइयों को भी छोड़ने और अच्छी आदतें अपनाने का प्रण लिया। इस अनूठी पहल की मुख्य अधिकारी डॉ. सुशील वंजारी, प्रधानाचार्य जयश्री रानडे, संस्था अध्यक्ष डॉ. ए.पी. जोशी और सचिव नीलेश साठे ने प्रशंसा की। डॉ. वंजारी ने इस पहल की परिकल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए युवाओं को जागरूक होना आवश्यक है। कैडेटों को प्रेरित करने और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से होली मनाने के उद्देश्य से यह उपक्रम आयोजित किया गया। इसमें उन्हें सामाजिक बंधन को मजबूत करने, अपनी स्वयं की बुराइयों को त्यागने और समाज सेवा के जुनून को अपनाने का संदेश दिया गया। पर्यवेक्षक अजय लाबडे के मार्गदर्शन में छात्र सैनिकों ने शैक्षणिक पोस्टर तैयार किए और अन्य विद्यार्थियों को सामाजिक संदेश दिए। कैडेटों पर पुष्प वर्षा कर उनकी इस पहल की सराहना की गई। उत्साह और जोश से भरे कैडेटों ने "होली रे, होली, बुराइयों की होली" जैसे नारे लगाते हुए विद्यालय परिसर में सामाजिक बुराइयों के अंत का संकल्प लिया। इस दौरान फूलों की वर्षा कर अनोखी होली भी मनाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के नीलगिरी ट्रैकिंग कैंप के लिए चयनित कैडेट अश्विनी मानकर और मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाली कैडेट अंजलि बरयेकर को सम्मानित किया गया कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अंकुर भटनागर ने इस विशेष पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सामाजिक जागरूकता बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका है और अन्य संस्थानों को भी ऐसे आयोजनों से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस तरह, नागपुर के इन एनसीसी कैडेटों ने समाज में बदलाव की नई लहर शुरू करते हुए "बुराइयों की होली" जलाने का संदेश दिया, जिससे समाज में सकारात्मक सोच और सेवा भावना का प्रसार हो सके।

जल संरक्षण के उद्देश्य से निकली कन्हान नदी परिक्रमा यात्रा

रामाकोना/सौंसर.

जल संरक्षण और कन्हान नदी के महोत्सव को लेकर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कन्हान नदी परिक्रमा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा श्री संत लीलामृत घाट एकनाथ महाराज मंदिर से प्रारंभ होकर नदी किनारे बसे 31 गांवों से होकर गुजरेगी और रामाकोना में संपन्न होगी। इस परिक्रमा यात्रा की शुरुआत रविवार को भजन मंडलियों के सहयोग से की गई। यह यात्रा पीकेएस गुर्वे के मार्गदर्शन और दिनकर पातुरकर के संचालन में निकाली जा रही है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य कन्हान नदी महोत्सव के तहत सिदोरी काला और श्री विठ्ठल मंदिर में होने वाली दही लाही का निमंत्रण देना है। यात्रा के शुभारंभ से पहले ग्राम पंचायत रामाकोना में विधिवत रूप से रथ पूजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच कोकिला देवेंद्र चौधरी, उपसरपंच संतोष चौधरी, जनपद सदस्य गुलाबराव पांडे, पंच नीलम खडसे, आकाश खंडाईत, सरिता खंडाईत, बाल हरिपाठ भजन मंडल के संचालक कृणाल पातुरकर और लोक कला सेवा मंडल से सरिता खंडाईत सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस यात्रा के माध्यम से न केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया जा रहा है, बल्कि लोगों को जल संरक्षण और नदी के महत्व के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

मारकासुर क्षेत्र में भीषण आग से 12,000 चंदन और सीताफल के पेड़ जलकर खाक

कोंढाली/नागपुर.

काटोल तालुका के मरगसुर गांव के पास मौजा मारकासुर शिवार में भीषण आग लगने से हजारों चंदन और सीताफल के पेड़ जलकर राख हो गए। यह घटना शनिवार, 15 मार्च की सुबह 7 से 8 बजे के बीच की है। इस आग में करीब 30 एकड़ क्षेत्रफल में फैले 12,000 चंदन और सीताफल के पेड़ जलकर नष्ट हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह खेत किसान संजय पाटिल और उनके साथियों का 120 एकड़ का फार्म है, जिसमें से 30 एकड़ के क्षेत्र में लगी आग ने भारी तबाही मचाई। संजय

पाटिल ने बताया कि पिछले छह सालों से इन पेड़ों की देखभाल की जा रही थी, लेकिन कुछ ही घंटों में मेहनत जलकर राख हो गई। आग इतनी भयावह थी कि उसे बुझाने के लिए वन विभाग, कोंढाली नगर पंचायत और काटोल नगर परिषद की दमकल गाड़ियों को करीब 9 घंटे तक संघर्ष करना पड़ा। इस आग में सिर्फ पेड़-पौधे ही नहीं, बल्कि खेत में लगी सिंचाई व्यवस्था, पाइप और अन्य कृषि उपकरण भी पूरी तरह जल गए। चंदन के पेड़ औषधीय और आर्थिक रूप से अत्यंत मूल्यवान होते हैं, जिससे किसान को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि, यह घटना 15 मार्च को हुई थी, लेकिन 16 मार्च की शाम 6 बजे तक कोंढाली पुलिस स्टेशन में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। किसान संजय पाटिल ने प्रशासन से इस घटना की जांच और उचित मुआवजे की मांग की है। इस भीषण आग से किसानों को हुए आर्थिक और पर्यावरणीय नुकसान की भरपाई के लिए सरकार से सहायता की अपील की जा रही है।

शुभांक		
श्रीदेवी	156-2	459-8
श्रीदेवी नाईट	677-0	138-2